पावर सिस्टम कारपोरेशन आफ इंडिया लिमिटेड

केन्द्रीय कार्यालय, मानव संसाधन विभाग

सन्दर्भ संख्या : के.का./हिन्दी कार्यशाला /2015

दिनांक 08 जून 2015

हिन्दी कार्यशाला और कवि सम्मेलन का कार्यवृत

पोसोको कार्यालय में दिनांक 08.06.2015 को प्रात: 11.30 बजे हिन्दी कार्यशाला का आयोजन पोसोको के भूतल स्थित सम्मेलन कक्ष में किया गया जिसमें पोसोको के 15 कार्मिकों ने बड़े उत्साह से भाग लिया (कार्यशाला में भाग लेने वाले कार्मिकों की सूची सलग्न है)

1.0 "राजभाषा हिन्दी में कार्य करना आसान है, शुरू तो करें" विषय पर हिन्दी कार्यशाला का आयोजन करने के लिए मुख्य कार्यपालक अधिकारी(पोसोको) से 27 मई 2015 को अनुमोदन प्राप्त किया गया और इसमें व्याख्यान देने के लिए पावरग्रिड केंद्रीय कार्यालय के विधि विभाग से श्री सी एस जौहरी, मुख्य प्रबन्धक को आमंत्रित किया गया |

2.0 नोडल अधिकारी(राजभाषा) ने सर्वप्रथम बाह्य संकाय के तौर पर आमंत्रित श्री सी एस जौहरी, मुख्य प्रबन्धक(विधि), मुख्य प्रबन्धक(मानव संसाधन) और सभी कार्मिकों का हिन्दी कार्यशाला में पधारने पर हार्दिक अभिनन्दन किया और मुख्य प्रबन्धक ने भी अपने सम्बोधन में कहा की कुछ भी नया कार्य करने में समय लगता है परंतु धीरे धीरे उस कार्य में निपुणता आ जाती है |

3.0 श्री जौहरी को हिन्दी कार्यशाला प्रारम्भ होने से पूर्व पोसोको कार्यालय में किए जा रहे राजभाषा हिन्दी के कार्यों से अवगत कराया गया और उन्होने पोसोको कार्यालय में राजभाषा हिन्दी में किए जा रहे कार्यों की मुक्तकंठ से प्रशंसा की |

4.0 "बीती बात बिसार दे, आगे की सुध ले" से अपना कथन प्रारम्भ करते हुए श्री जौहरी ने कहा कि बीती बातों को छोड़कर हिन्दी में कार्य करने की सुध लेने में ही समझदारी है यानि दूसरों पर गलती मढ़ने के स्थान पर स्वंय प्रयास करना ही श्रेयस्कर है |

5.0 श्री जौहरी ने अपने व्याख्यान में कहा कि हमें अंधकार से ज्ञान की तरफ, मृत से जीवन की तरफ चलते हुए दूसरी भाषा को भी मान देने के साथ साथ अपनी राजभाषा हिन्दी में कार्य करते हुए उसे राष्ट्रभाषा तक पहुँचाने का प्रयास करना चाहिए |

6.0 श्री जौहरी ने अपने व्याख्यान में कहा कि किसी भी राष्ट्र के लिए तीन चीजें बहुत महत्वपूर्ण होती हैं एक उसका राष्ट्रीय ध्वज, दूसरा उसका राष्ट्रीय गीत और तीसरी उसकी राष्ट्र भाषा | भारत वर्ष में हिन्दी भाषियों की अधिकता के बावजूद हमारे पास दो चीजें तो हैं परंतु हमारी राष्ट्रीय भाषा का न होना बड़े ही

खेद का विषय है जबकि हमारी हिन्दी भाषा ने सभी भाषाओं के शब्दों को बड़े प्रेमपूर्वक गले से लगाया है जैसे प्रेम, प्लैटफ़ार्म, पेन पेंसिल आदि

7.0 श्री जौहरी ने कहा कि जब हमें अपनी भाषा से प्रेम होगा तभी हमें अपने राष्ट्र से प्रेम होगा अत: हमें हिन्दी में काम करना शुरू करना चाहिए | बोद्ध धर्म का उदाहरण देते हुए कहा कि बोद्ध धर्म जिस तरह एक वाक्य पर आधारित है "स्वयं दीपक बनो" अर्थात दीपक की तरह स्वयं जलते हुए हर तरफ प्रकाश फैलाते हुए किसी भी सहारे के बिना हमें हिन्दी में कार्य करने का प्रयास करना चाहिए |

8.0 कार्यक्रम के अंत में मानदेय का चेक श्रीमति शर्मिला मोदवाल ने श्री जौहरी को दिया व साथ ही एक पुस्तक भी उन्हें और सभी कार्मिकों को भेंट की |

9.0 अंत मे नोडल अधिकारी ने धन्यवाद ज्ञापन देते हुए सभी कार्मिकों को इस कार्यशाला में भाग लेने के लिए आभार व्यक्त किया |

10.0 अनुमोदनार्थ प्रस्तुत है।

8/6/15

(अनिल मेहता)

कार्यपालक सचिव(मा.सं)

मुख्य प्रबंधक (मानव संसाधन) 8/6

कार्यपालक निदेशक (रा.भा.प्रे.क़े.) 9.6.15

मुख्य कार्यपालक अधिकारी(पोसोको) 10/6/15

का. नि.

हिंदी कार्यशाला दिनांक 08.06.2015 के लिये नामित अधिकारियों/कार्मिकों की सूची

क्रम संख्या	नाम	पदनाम	हस्ताक्षर
1.	हरीश कुमार राठौर	मु. प्रबंधक	हरीश
2.	अमनदीप सिंह	उप प्रबंधक	अमनदीप
3.	नवीन कुमार सिंह	कनिष्ठ अभियंता	नवीन सिंह
4.	कैलाश चन्द सैनी	वरिष्ठ अभियंता	कैलाश चन्द सैनी
5.	राकेश कुमार	वरिष्ठ अभियंता	राकेश
6.	सुन्दरमहादेवन . सी	वरिष्ठ लेखा अधिकारी	C. Sun
7.	राकेश मलिक	का. स.	र कु मलिक
8.	सैफ रहमान	अभियंता	सैफ
9.	प्रीति चतुर्वेदी	कम्पनी सचिव	प्रीति चतुर्वेदी
10.	शिल्पी कुमारी	पर्यवेक्षक (मा.सं.)	शिल्पी
11.	दिव्या कुशवाहा	अभियंता	दिव्या कुशवाहा
12.	गौरव वर्मा	वरिष्ठ अभियंता	गौरव वर्मा
13.	चन्द्र शेखर चौहान	[illegible]	[illegible]
14.	शैलेन्द्र वर्मा	उप प्रबंधक	शैलेन्द्र
15.	अखिल मेहता	कं. सचिव	अमेहता
16.	शर्मिला मोदवाल	मु. प्रबंधक	शर्मिला